

म. वि. सं. ११८५

ASHA ARCHIVES

म. वि. सं. ११८५

1185

ARCHIVES

१५३
ॐ नमः श्री महादेवाय ॥ मूथ वलि विधि लिखित ॥ मूथान्न संयुक्त दामि चलि
विधि विधान कर्त ॥ कर्म हलि खिर्ग सव नाना हानि समाप्त ॥ सैरा न विविध मू
थान्न ॥ ॥ **कर्म हयास्य दय** ॥ ॥ यथा कार्य ॥ मूथ ॥ यूथ राजन ॥ मूथार्थ ॥ ॥
मूथ हनि साधन ॥

॥ ॐ नित हनि साधन ॥ ॥ **मूथ गुन सनदी** ॥ ॐ नंदी गंधु
क्षी ॥ मूथ वल मधु लाकारं चार्थ जन च नाचन ॥ गत्य दंद निर्ग जन गम्य गी गुन
वन मधु ॥ गुन यादु कथ यादु का ॥ यूज यामि ॥ **सासन** ॥ ॥ ॐ जय द्वा सनाय यादु
का ॥ ॐ जय गं सनाय ॥ ॐ कृष्ण सनाय ॥ ॐ वंजय जी न सनाय ॥ ॥ **सासन** ॥ ॐ
किं किं किं विच का क नाय ॥ ॐ मूथ रुट ॥ ॐ ज ॐ कृष्ण रुट वंजय जी न
सासन ॥ ॥ ॐ ज च नम कृ ल कृ ल म च न जा जी कृष्ण रुट सासन ॥ ॐ ज किं किं

विचित्रका क नाथे ४८ नमः ॥ क न मा ध न ॥ नं न न मा र ग व नि द
क म ला यें जां धी नृ य द्वा र्थी या दू कां ॥ नं नं नृ कृ षि का य क न दियो रें कीं पी न
ऊ न्या र्थी या दू कां ॥ नं नं जां कीं कृ व र्व न नि र्व दू थ म ध म र्थी या दू कां ॥ नं नं
घा न नृ घा न नृ घा ना मू र्वी व दू नू या रें कीं पी नृ ना मि का र्थी या दू कां ॥ नं नं
कां कीं म र्द ना नि का रें कीं पी क नि द्वा र्थी या दू कां ॥ नं नं कि णि १ वि चित्र का क
नाथे ४८ क न त ला र्थी न म ४॥ क न न्या स ॥ नं नं न मा र ग व नि द क म

लार्थे जां धी ड व व का र्थी या दू कां ॥ नं नं नृ कृ षि का रें क ल दियो रें कीं पी नृ
व व का रें या दू कां ॥ नं नं जां कीं कृ व र्व नि र्व दू थ म द दि ण व का रें या दू कां ॥
नं नं घा न नृ घा न नृ घा ना मू र्वी व दू नू या रें कीं पी ड क न व का रें या दू कां ॥
नं नं कां कीं म र्द ना नि का रें कीं पी य नि म व का रें या दू कां ॥ नं नं कि णि १ वि
चित्र का क नाथे ४८ धी य ना य न व का रें या दू कां ॥ ०० नि व कु न्या स ॥ नं नं न
मा र ग व न द क म ला रें जां द द या रें या दू कां ॥ नं नं नृ कृ षि का रें

[illegible]

युञ्ज ॥ श्रीवाहनादिचन्द्रनाक्षत्रयूयानमः धनमूलादद्यात् ॥ गणयणी ॥ नैज
कृत्तिकायविद्मह कूलक्षीयायधिमह गन्नाकृत्तियत्रादद्यात् ॥ ग्रात्मादिम
र्वथाक्षर्षी ॥ ॥ ग्रायवागृज्जा ॥ ग्रायवागृज्जासनायवाद्रुका ॥ नैज जांजां द्रुं जां
यमू ॥ व४ धाव १ गवगुनू १ यचट १ कुरु १ वसे १ दम १ द्यागय १ विद्यागय १
विधि १ द्रुं १ रुट १ कोपी कामाविकाविचयाद्रुका ॥ नैज मृगी श्रीनन्दहाकिरी
नवानन्दवीनोधियगय रुं श्री ग्रायवागृज्जाद्रुका ॥ ॥ नैज जांजां द्रुं द्रुं द्रुं

दिमं तुं गनयूजा ॥ आवाहनादि शानि मूडा दर्शयतु ॥ ॥ तुमं तुं द्वि ॥ उं कौं श्रीं
ॐ श्रीं ॥ ॐ श्रीं ॥ श्रीं श्रीं ॥ गनयु तं तुं द्वि ॥ उं उं कौं ॥ आनं किं नं नवा नन्दवी
नाधियतय मू ॥ आत्मनयाय च दनाय ययं ॥ यादूकी ॥ उं विलयनच
न्दनयादू ॥ ॐ कौं ॥ ॐ गिरित्व मू दनं यादू ॥ ॐ गीयादू कौं ॥ श्रीं विनरसु
सिन्दु नया ॥ ॐ दू कौं ॥ ॐ सर्वजनमादनी यादू कौं ॥ ॐ नानाकृण मूल
का नयययादू कौं ॥ ॐ श्रीं ॥ यादू कौं ॥ मूर्धया गदकनसि वसिधै यतु ॥ ॥

गमा मालनीय ० तु ॥ ॥ यं च वलि वदानं ॥ उं उं मयू वा सनाय यादू कौं
॥ उं उं नवा सनाय ॥ उं उं सिंहा सनाय ॥ उं उं यना सनाय ॥ उं उं म
वा सनाय यादू कौं ॥ उं उं श्रीं कौं कूलयूगवद्रक नाथय यादू कौं ॥ वलि गृह २
खादा ॥ उं उं दान्दी दू दू गया लाय यादू कौं ॥ वलि ॥ उं उं यां या गिनी लाया
दू कौं ॥ वलि ॥ उं उं ॐ श्रीं सिद्धि चामू ॥ ॐ श्रीं यादू कौं ॥ वलि ॥ उं उं गमं गीं
गं ॥ ॐ श्रीं कूल ग ॥ ॐ ॥ ॐ श्रीं वाय यादू कौं ॥ वलि ॥ आवाहनादि दछु ग

ऊनी यानि विन्दु गजमूर्तीदशयतु ॥ जय ॥ श्रीं श्रीं स्वाहा ॥ १० ॥ श्रीं स्वाहा ॥ १० ॥
 श्रीं स्वाहा ॥ श्रीं स्वाहा ॥ श्रीं स्वाहा ॥ श्रीं स्वाहा ॥ १० ॥ श्रीं स्वाहा ॥ श्रीं स्वाहा ॥ श्रीं स्वाहा ॥ श्रीं स्वाहा ॥
 गगननिद्रा ननु कुरु ॥ यथा गिनी श्रीं चामुष्मा चक्षुः नृपीदृ निगय निमूर्ख
 विघ्नहनिग ॥ १० ॥ यस्याद्याधूयदीयामिषमधूवलिलि ॥ चञ्चिगाहसिर्गानि
 चक्रं यजिकाना विनिद्रा ननु कुरु ॥ श्रीं स्वाहा ॥ श्रीं स्वाहा ॥ श्रीं स्वाहा ॥ श्रीं स्वाहा ॥
 श्रीं स्वाहा ॥ श्रीं स्वाहा ॥ श्रीं स्वाहा ॥ श्रीं स्वाहा ॥ श्रीं स्वाहा ॥ श्रीं स्वाहा ॥ श्रीं स्वाहा ॥

वयूजनं॥ जंज नमो सनाययादुका॥ जंज नमो सनाययादुका॥ व
लि॥ जंज मयूलासनाय॥ जंज नमो सनाययादुका॥ वलि॥
जंज मयूलासनाय॥ जंज नमो सनाययादुका॥ वलि॥ नमो सनाययादुका॥
दिदधु गजनि गजमूलादुका॥ नमो सनाययादुका॥ नमो सनाययादुका॥
जनं॥ जंज वयूलासनाययादुका॥ जंज मयूलासनाय॥ जंज वयूलासनाय
य॥ जंज मयूलासनाय॥ जंज नमो सनाययादुका॥ जंज वयूलासनाय॥

दवः॥ नं० यनमसिगुनूमिगानन्ददवः॥ नं० अं० मूं० श्रीगिरीश्वर
नकारेयाद्रकायुजयामि॥ वलि॥ न्नावाहनादि॥ धर्म॥ नमूदादर्थ०
॥००॥ गिरीश्वरि॥ ॥ गगानत्मायुजने॥ न० ॥ वत्मान्यास॥ नं०
यन्मासनाययाद्रका॥ नं० नवासनाय॥ धन॥ नं० यन्मासनसर्वमं च
दशवकुणिलोचनं॥ स्ववर्णचमदादिकी॥ सर्ववददसंयुतं॥ स्ववर्णपूर्वव
कुण्ड॥ दक्षिणकषुभाशिरं॥ डरुनयीगवर्णस्या॥ रुद्रवर्णकनंजिर्गं॥ न

कस्यादक्षि॥ धूम॥ धातमूर्तवभवच॥ गद्वयगीगवर्णच॥ यीगस्याकषुद
क्षि॥ ध॥ नकमूर्तवमिषाद्र॥ रुद्रवर्ण॥ धातमूर्तमं॥ न्नावाहनादि॥ धर्म॥ नमूदादर्थ०
वन्धवानसाधुविगा॥ स्वप्रकृतकधनं दर्व॥ गिरीश्वरं कर्णं गथा॥ धूमकम
धुर्ल॥ धूम॥ नमस्वर्णगभवच॥ वाधनसुसंयुक्तं॥ यन्मयधमसोशिरं
चक्रवैवगदायानि॥ वनदागुयदसुर्कं॥ कायविन्दुधनादर्व॥ नानालंका
नमस्तिर्गं॥ धावयीगवर्णच॥ न्नासनसुखसीरुर्गं॥ नर्वन्यनवान्मान

मधुलं गुन मधुलं ॥ ध्यायन् कययू कात्मा द्वियसिध्निमानवा ॥ ध्यान
 पुर्यां पादू कां यूजयामि ॥ जंजं मूं गीनवान्नामूरु ययादू कां ॥ मयू
 जंजं ॥ जंजं मूधा न जां थधा न मूं मूं दौ धा न धा न न न दूं रु सर्व ग सर्व
 सर्व दूं स ॥ जंजं नू द नू य दू ॥ या दूं कां ॥ जंजं जं व द क डि नी मूं जं ला का
 क र्व णी दौ का मां ग द व नी कूं मूं मं ला का र का व नी ॥ सो स ॥ या दू कां ॥ जंजं न
 मा र ग मी मूं कू डि का ये जा दौ दूं धा न मू धा न मू धा ना मू खी कूं कूं कि णि २

विजयादू कां ॥ जंजं न मा र ग व नी सिद्धि मूं कूं कू डि क मूं मूं मूं द ॥ ३ ॥ न
 म मू धा ना मू खी कूं कूं कि णि २ विजयादू कां ॥ जंजं न मा र ग व नी सिद्धि मूं
 मूं कू डि क मूं मूं मूं स्व ग जं धा न मू धा ना मू खी कूं कूं कि णि २ विजयादू कां ॥
 जंजं मूं नान न्द ण कि रें व वा न न्द वी ना धिय ग य मूं या दू कां ॥ जंजं मूं न
 न न्द मूं ण कि रें व वा न न्द वी ना धिय ग य मूं हा विद्या ना ज मूं न
 नी मूं गी न वा ना गु न मधु ल र दान का य या दूं कां यू ज या मि ॥ वलि

[illegible][illegible]

यद्ये ३॥ उं जं यं चामु ३॥ उं जं मं हल ३॥ वलि ॥ ॥ मूख से न व
पूजा ॥ उं जं मूखि नां ग से न वाय यादू की ॥ उं जं नू नू से न वाय ३॥ उं जं च छु से
न वाय ३॥ उं जं काध से न वाय ३॥ उं जं ड न म रु से न वाय ३॥ उं जं कया ल से न
वाय ३॥ उं जं सीष ध से न वाय ३॥ उं जं मं हल न से न वाय ३॥ वलि ॥ ॥ ख क न्द
यूजा ॥ उं जं मं हल काला य यादू की ॥ उं जं द्वा की द्वा द्वा ४ द्वा ग या लाय ३॥ उं जं
यद्मा स नाय ३॥ उं जं वृ मा स नाय ३॥ उं जं ॥ ॥ श्री ख क न्द मं हल से न वा

ययादू की पूज या मि ॥ वलि ॥ मूवाह नादि ॥ धन मूडा ॥ ॥ र ग व मी पूजा ॥ उं
जं मं हल स नाय ३॥ उं जं मं हल स नाय ३॥ उं जं मं हल स नाय ३॥ उं जं निगुं रा
स नाय ३॥ उं जं डं डी नाज य द ३॥ उं जं च छु वि य म द्वा नी द्वा ३॥ सदा न द्वा ३॥ ली
मी द्वा स ४ मू ग्गु ह न वादू की पूज या मि ॥ वलि ॥ मूवाह नादि ॥ यानि मूडा ॥ ॥ वा ग
ध वी पूजा ॥ उं जं यद्मा स नाय ३॥ उं जं वि कि टि यी कि नी कू ट कू छु वा ग ध वी वृ द्वा
मं हल ना वि का वि च वादू की पूज या मि ॥ वलि ॥ मूवाह नादि ॥ यानि मूडा द ह य ३॥

॥ गता कर्म पूजनं ॥ नंदं ग्राधनादि मूष्य पूष्टिकासनयादूकां ॥ नंदं यंचय
तामनाय ॥ नंदं वृषासनाय ॥ श्रीसिंहासनाय ॥ नंदं श्रीसाहावक्रियगास
नाय यादूकां ॥ ध्यानं ॥ नंदं नीलयंचनननिष्ठं नृद्वयार्थकीर्तिं ॥ दिवस्त्वय
दशीया वत्सस्यार्थि चचिता ॥ चक्रिनासिहितीशज्जुगीगुष्टगिरोवर्च ॥ क
दालालासुचायासु काश्चि कटिमुद्रास्यवा नृविगुल्लवकधजा दानंयदद
वाक्रुशि ॥ यालिजागजायामाला पूरुका गयकंकव ॥ गूनादाकृदयास्थीच

कथं मां पुनविगुहा ॥ दवावृगसमानच सदर्वसहितीनव ॥ यमंगददृगमा
ना मथानरुक्माकव ॥ ॥ नंदं नीलजी नसमयदा कृडिक्रयामहादवी ॥ व
दकुदादहागुजा स्यार्थि वत्सवर्चिता ॥ मूष्यमालाधवीवीदी दृष्टा कलालिका
नना ॥ मूष्यदंष्ट्रिकादवी चर्ववाधनिवावृहा ॥ याचेसर्मयनिधाना सिंदुवर्मा
रुवीयका ॥ दिव्या रुवहा रूषीणि मूष्यदास्यचदासिनी ॥ गस्यापीगडालवकुं ॥ उ
रुवस्यामसंनिर् ॥ ददिक ॥ ददिक वृवर्चि यमूमूस्वस्यदशिर् ॥ पूर्ववकुं रवडका

यादूकी॥ उंउं वृषासनाय यादूकी॥ उंउं सिंहासनाय यादूकी॥ ध्यान॥ उंउं व
षट्पदीं गीदर्वं स्वचर्चुवृषासनाय॥ उंउं कवकगिनर्णच॥ गुजाष्टादशधावि
र्धा॥ दसनूयनमुवाधं स्वभममकीं वजकीं॥ संखचैवीनवाधच॥ ववदाकवद
दि॥ धा॥ वामखर्चा॥ धूलच॥ धनूरुलकया॥ क॥ चधकयालवेनचै॥ रंने
याकनवामक॥ यदनवदिगाजानू॥ वामानूचदवमी॥ उंउं कवकगिनर्णच॥
मूवृषाचर्चुवर्चुगं॥ द्विगुजावनदादक॥ सिंदूरु रयसचस॥ नाना रवध

भारतीयं समद्वर्धनमंशगा॥ रंनवानन्दनूयाय॥ उंउं उंउं यकीर्णिगं॥ उं
वंध्यात्वामेदादवि॥ क्रियसिद्धानिमानव॥ उंउं उंउं स॥ रंणीमूलसूतनरदान
कायध्यानयूययादूकीयूजयामि॥ नगयूजनी॥ उंउं मूधावजाधधावजाधान
धानवदुं॥ सर्वगसर्वसर्वदंशं॥ स॥ उंउं नूदयवृज॥ यादूकी॥ उंउं उंउं वजक
विनीधुं॥ गेलाकाकषधीकीकामीगडावनीकी॥ मूमेदाका॥ रकावनी॥ उंउं स॥ यादू
की॥ उंउं नभारगवमी॥ कुं॥ द्विकारिजा॥ उंउं धानमूधावमूधानामूखीका

कौंकिहि२विचयादूकी॥ नं० नमा रगवगीं कूडिकाये म्हां हूं हूं द ॥ ३ नं०
 मन्त्र्यानामूखी कौंकिहि२विचयादूकी॥ नं० नमा रगवगी सिद्धि कूडिकाये
 कूडिक म्हां हूं हूं स्वर्ग नं० धान मन्त्र्यानामूखी कौंकिहि२विचयादूकी॥ नं०
 म्हां नन्द धाकि रें ववानन्दवी नाधिय तय म्हां यादूकी॥ नं० म्हां नन्द धा
 धा कि रें ववानन्दवी नाधिय तय श्रीमहा विद्या नाड्य म्हां नी म्हां गी
 मूल म्हां न र हा कारये यादूकी॥ पूजया मि ॥ वलि ॥ म्हां वाह नादि म्हां

[illegible]

दवीशीयाद्रुकीपूजयामि॥ वलि॥ आवाहनादियानिमूढा॥ ॐ निमिचित्तु श्रीयुजा
॥ ॥ गंगा **गुञ्ज** कालियुजा॥ ॐ ॐ आधावादिमूढयुद्धिकासनयाद्रुकी॥ ॐ ॐ म
हाशिववसनाययाद्रुकी॥ ॐ ॐ श्री ॐ ॐ महाशिवसनाययाद्रुकी॥ ध्यान॥ ॐ
ॐ वक्रादियंचकयुगप्रतिदिग्धनिनी मूढयुद्धिवसनायनलवू। गस्था
द्विगदशागच्छद्विद्वमार्ग यन्मस्तिगीरगवगीयनमादशासी। सिद्धरकालकपि
भद्रगुनगताद्वायागस्थनीमकवमानवयकिचका॥ धूलीयुद्धायनशुभमन

यागयार्ग स्वर्गागवानकनिनीकगयाधियन्मा॥ ॐ ॐ गुञ्ज कालिकायध्यानयुष्य
याद्रुकीपूजयामि॥ **गुञ्ज** ॥ ॐ ॐ सिद्धिकलालीक्रीक्री ॐ ॐ नमः स्वाहा॥ श्री
गुञ्ज कालिकाययाद्रुकीपूजयामि॥ ॐ ॐ महाचण्डयागस्थनीशीयाद्रुकी॥ ॥ यक्
कालियुजा॥ ॐ ॐ महाचण्डयागस्थनीश्वरीकालिकायमूढादयेयाद्रुकी॥
ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ महाचण्डयागस्थनीस्तिगिस्वगीकालिकायमूढादयेयाद्रुकी
॥ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ महाचण्डयागस्थनीसदानस्थनीकालिकायमूढादये

[illegible]

नीलकण्ठसमिक्तां कामाकडावयंति तारुण्यवर्णनीधायत्यनामन्दनीं दद
रागदधानामयविगतकवयासमस्यामधस्क वाहोयं चोद्यनिगनगन
कवयंकुण्डलसनाध्यावर्कवर्कदधानीधृतविधुङ्कलीयोवनाश्रीस
गुणी नकी नकी मुक स्कंद विविधिमूकटाचुष्टयादी नदली ॥ वानक मछ
ला रासी चगुर्वाकृगिलाचनी ॥ यागंकुण्डलनाभय धवयनि निवां रज
ववायवागियवदव गार्थध्यानयूर्ययादूकांयूजयामि ॥ नयानिमूर्डाददयि

[illegible]

अनन्दनाथामिकगीरगमालिनीद्वीगीवक्त्रात्मिकाकिगीयादूकांयूजया
 मि॥ **विकासन** ॥ जेंडांणी जेंकोमो॥ यो॥ सर्वगजोमयव्यामचकडाद्यो न
 यो॥ ० चयानन्दनाथामिकधीमहागि॥ यूनसुन्दरीद्वीयनवक्त्रात्मिका
 किगीयादूकांयूजयामि॥ जेंडांणी कुं॥ कुं॥ कुं॥ गिरियूनरनवीचकव्य
 नीनित्याद्वीगीयादूकां॥ यूजयाउ॥ मि॥ कुं॥ कुं॥ ॥ वलिगृद्रगृद्रस्तदा॥
 म्मावाहनादिचन्द्रनाकनयूर्यनम॥ जेंडांणी यानिमूडांदर्मथ॥ ॥ निडुर्वा॥

ॐ सिधिलि लयूजा ॥ धनलि कुलवलि विमोदय ॥ मूथुगलया ॥ उ
 श्रीं श्रीं सुवर्णुद्विपयमुपतिकिर्तिनादवी चहुनाथक्षुगया लायगंगीगुं गुं वलि
 यूजा गृद्र २ स्वाहा ॥ यमुपतिया ॥ उं उं श्रीं धाननदीयधमादवीमहाकाय ॥ उं
 यालाययां यीयुं वलि यूजा गृद्र २ स्वाहा ॥ धानयमुपतिया ॥ उं उं मंगीगुं (मंगी
 लम्बादनायवलि ३ गृद्र २ स्वाहा ॥ तवद्याम ॐ नाय ॥ उं उं सनस्वयेवलि गृद्र २
 स्वाहा ॥ उं उं निवायवलि गृद्र २ स्वाहा ॥ सनस्वति निव ॥ उं यीयुं उं सर्वविघ्नक

गथ ४ ससर्वरुगथ ४ कुकुलधनमहासेनवायवलि गृद्र २ स्वाहा ॥ कुकुनया ॥
 हसनयाद ॥ उं उं स ४ वीवमुकिक्षुगया लायवलि गृद्र २ स्वाहा ॥ वा मुकिया
 ॥ खुं सिधिलि लयूजा वलि ३ गृद्र २ स्वाहा ॥ वकुलाया ॥ श्रीं हसनयाद सुवर्णुदी
 यचहुनाथक्षुगुपकक्षुदेवीवलि गृद्र २ स्वाहा ॥ खुं सिधिलि दीयगुगमक्षुगया
 यवलि यूजा गृद्र २ स्वाहा ॥ जयमंगलाया ॥ उं उं उं मीसात्वकीदवीक्रिया गक
 यमीवागन्धनीदक्षीवलि यूजा गृद्र २ स्वाहा ॥ ज ३ यवागन्धनीया ॥ यच

वकुयमुयनियां रवमठन ॥ ॥ नंउंऊं श्रीचन्द्रपिनामदायवल्लिगृह २ स्वा
दा ॥ **वन्दयिनाया** ॥ नंउंऊंऊं नमरुमहा रंनवायवल्लिगृह २ स्वादा ॥ **उमरु**
नवरु ॥ नंउंऊं श्रीधर्मनिना रदानकायवल्लिगृह २ स्वादा ॥ **धर्मनिनाया** ॥ धूम
यीनलेदीप श्री महाद्वगया लायधर्मदवीनकि सदिगायवल्लिगृह २ स्वा
दा ॥ **गुवाकय** ॥ नंउंऊं वक्रादिमूसमा रुकादवीवल्लिगृह २ स्वादा ॥ **मारु**
कासु ॥ नंउंऊंऊंऊं निखासुचन्द्र रंनवायवल्लिगृह २ स्वादा ॥ **निवगीठिया** ॥

ऊं गौरी रदानकायवल्लिगृह २ स्वादा ॥ **गौरीगीठिया** ॥ डंऊं स८ नमानावाय
विस्वात्मनकीवल्लिगृह २ स्वादा ॥ **विष्णुगीठिया** ॥ नंऊंऊं श्रीमहाविष्णुवसुन्दरी
सर्वनेलेडवस्य८वल्लिगृह २ स्वादा ॥ रंदानद्वयात ॥ श्रीगिरिलमहा रंनवाय
वल्लिगृह २ स्वादा ॥ **गिरिल** ॥ ऊं मूधानायवल्लिगृह २ स्वादा ॥ **मूधानगीठिका** ॥ नं
उं यमुयनिनिवागिनदवदवीस्य८वल्लिगृह २ स्वादा ॥ **गजाधन** ॥ डंऊं स८ गजा
धनायवल्लिगृह २ स्वादा ॥ **गदाकनी** ॥ डंऊं स८ नमानावायधायविस्वात्मन

गूं (गूं) कूल ग (ग) स्थ ना य वलि गृह २ स्वादा ॥ **नाज कून वन वा द नी क** ॥
डं डं स ४ न मा ना वा य ना य वि स्थ सम न डं वलि गृह २ स्वादा ॥ **नाज कून व**
वन वा द गिव ॥ डं डं स दानि वा य वलि गृह २ स्वादा ॥ **जय वा ग स्थ नि म** ॥
शुं सि दित ल मी द व वलि गृह २ स्वादा ॥ मृष्ट मा र का म न न ग द स वि य ॥ डं
डं डं नृ य स्थ न म द री न वा य वलि गृह २ स्वादा ॥ डं डं स्व क न द ग या ला
य शुं वलि गृह २ स्वादा ॥ **नाज कूल या** ॥ डं डं स ४ न मा ना वा य द य वि स्वा

सम न डं वलि गृह २ स्वादा ॥ डं डं स दानि वा य वलि गृह २ स्वादा ॥ **सद्य त्वान**
या ०० नाय ॥ डं (गूं) ग द य न य वलि गृह २ स्वादा ॥ डं डं स्व क न द ग या ला
य वलि गृह २ स्वादा ॥ **सद्य त्वान या गिव** ॥ डं डं स दानि वा य वलि गृह २
स्वादा ॥ **दि द्या स्व निया न क स्थ गिव** ॥ डं डं स दानि वा य वलि गृह २ स्वादा ॥
डं डं स ४ च गु वि गु ना वा य द य वि स्वा सम न डं वलि गृह २ स्वादा ॥ **चा व**
दि ०० नाय ॥ डं डं ग म गी गूं (गूं) ग द य न य वलि गृह २ स्वादा ॥ **धन मान** ॥

रुनिवामूर्कयवल्लिगृद्ध २ स्वाहा ॥ धर्मदयाचणुविम्ब ॥ डं डं चणुविम्ब
 यवल्लिगृद्ध २ स्वाहा ॥ जम्बुकादा ०० नाय ॥ डं (सौ) गं धय गय वल्लिगृद्ध
 २ स्वाहा ॥ स्वामाचिग ॥ डं डं डं वं मुहावू द्राय वज्र वेवाचनि वल्लिगृद्ध २
 स्वाहा ॥ ॥ गन्म (ध) गुच्छन्वनी ॥ उं जय चयनामनाय नमः ॥ ध्यान ॥ नील
 जिनमहागजा शिखराचदीर्गवल्लिगृद्ध २ स्वाहा ॥ मूढमालाधनवीड गजचर्मवगु
 ष्ठीनी ॥ उं ज कामवृषमहागजा युगलानिलवचसा नादा नमनिगाका

ना यद्मनागसमयरा ॥ सर्वत्र विविगमि शुभिकाद्वगविगदा ॥ न
 द्वादेहाजुजादवा नानायेद्वनभायता ॥ नानात्रसधनीदवी तुलोकना
 न्यविद्यत स्वमयाभाकीभासर्व कपालकूलिसधर्ज ॥ नथमैकीतथाय
 भा नवमनुवनयदा ॥ रुटकाधनूपावति सद्वागसकमहर्ल ॥ मूलम
 मनचैव गहानिचारुनकेन ॥ महर्ल चैवयित्वा तु जितनूयनरीषधी
 ॥ ध्यानयूयनमः ॥ नययूयनं ॥ चैवमयीयगुयतिक्ष्णयालायवलि

गणय नयवलि गृह २ स्वाहा ॥ **नमो नमो** ॥ डंडो स ४ नानाय धाय नं नं कौ
वलि गृह २ स्वाहा ॥ **नमो नमो** ॥ डंडो वानव नू धाय वलि गृह २ स्वाहा ॥ **नमो नमो**
कमल ॥ डंडो स ४ नमाना नाय धाय विसात्म न डो वलि गृह २ स्वाहा ॥ **नमो नमो**
सिद्ध ॥ डंडो स ४ नून न व सिद्ध ना नाय धाय डो वलि गृह २ स्वाहा ॥ **नमो नमो**
डंडो निवाय स्वयं नु कि न स्थ नाय वलि गृह २ स्वाहा ॥ **नमो नमो** ॥ डंडो
ग नू न स नाय वलि गृह २ स्वाहा ॥ डंडो स ४ नमाना नाय धाय डो वलि गृह २

२ स्वाहा ॥ ॥ **नमो नमो** ॥ डंडो स ४ नून नाय वलि गृह २ स्वाहा ॥ **नमो नमो**
य ॥ डंडो गणय नयवलि गृह २ स्वाहा ॥ डंडो वक्रा धाय दि नू स मा रु क ल्य ४ व
लि गृह २ स्वाहा ॥ डंडो न व दू न य वलि गृह २ स्वाहा ॥ **नमो नमो** ॥ डंडो डंडो
नू ल्य स्थ नाय वलि गृह २ स्वाहा ॥ **याना नमो** ॥ डंडो वक्रा न्या दि नू स मा
रु क ल्या वलि गृह २ स्वाहा ॥ डंडो वक्रा वक्रा वलि गृह २ स्वाहा ॥ **नमो नमो**
स्थ स्थ नी म न न न ॥ **कमि** ॥ डंडो वक्रा य वाम धाय वलि गृह २

लुगडां लोली लूं लु लो लो दी व ध मी व वी श्री म हा का ल लो लो रु रु मा ल लो श्री क नी यू श्री का म नू व वी
 (०) श्री का म वि ड ये ये ला उ म्वा सा कि नी द वी कि स हि ता य म हा म्भ म ना
 म हा पू य धू व वी य पू ज्ञा य (॥) य वि ती व ति नू द श म म क न द श स र्वा र्थ लि खित म ड (लो लो

स्व धाम य नि कडा न वि य स रू सि ध

अनु ग म य नि य र्थ

॥ ॥ म क वा थि
 1.185

ASMA ARCHIVES

क्र२ स्वादा॥ नुं३ अवडा यानिनी सन्निधा नावलि गदवदवी था वलिगृद्र २ स्वा
दा॥ **विष्णु र ना**॥ उं३ का मूदि नो नाय धाय वलिगृद्र २ स्वादा॥ **या वि**॥ नुं३
पू० यं०० लाय धी दधी वलिगृद्र २ स्वादा॥ **याय सि**॥ नुं३ का कं मा द धी व
वुं३ दधी वलिगृद्र २ स्वादा॥ **सान र वा**॥ नुं३ का च को मा नी वुं३ दधी वलिगृ
द्र २ स्वादा॥॥ नुं३ का टं वे वुं३ वूवी दधी व द्र २ स्वादा॥॥
उतानि मा॥ नुं३ **रिष्णु** तं वा वुं३ ना ही दधी वलिगृद्र २ स्वादा॥

॥ नुं३ का यं यं वामू धा दधी वलिगृद्र २ स्वादा॥ दल धि मा था॥ नुं३
का यं यं वामू धा द वुं३ वी वलिगृद्र २ स्वादा॥ **सय लि**॥ नुं३ का मू व द्वा
वुं३ य धा दधी वलिगृद्र २ स्वादा॥ **आगि लि**॥ उं३ कां कां जा वुं३ निलि मं स
दा लि वाय वलिगृद्र २ स्वादा॥ **मा र स**॥ नुं३ का मू र मा र क ली वलिगृद्र
२ स्वादा॥ **ना दा दा म**॥ उं३ का म हा री न वाय वलिगृद्र २ स्वादा॥ **ना र व न**॥
उं३ **रिष्णु** न र य ध नाय वलिगृद्र २ स्वादा॥ **दू मा द**॥ नुं३ **रिष्णु**

कुं मकारे नवाय वलिगृह २ स्वाहा ॥ नवच छिमलु न विय ॥ **दावयात ॥** उं जां जां
कुं मकारे नवाय वलिगृह २ स्वाहा ॥ ॥ **नवमि माहाकाव ॥** उं जां कुं रूट मका
कावरे नवाय वलिगृह २ स्वाहा ॥ **हवदवे ॥** उं जां कुं रूट माहाका लाय वलिगृ
ह २ स्वाहा ॥ ॥ **नवकाथया ॥** रे नव ॥ उं जां जां कुं म्मा रे नवाय वलिगृह २ स्वा
हा ॥ **रे नवी ॥** उं जां जां कुं रे नवे वलिगृह २ स्वाहा ॥ ॥ **उं जां नडाकाथ निवा मि**
मदवदवी था वलिगृह २ स्वाहा ॥ **उं जां नागपूनीव** थ वलिगृह २ स्वाहा ॥ **उं जां म**

निवृत्तिवलिगृह २ स्वाहा ॥ **कविनामयामदादव** ॥ उंऊं निवायवलिगृह २ स्वा
 हा ॥ **यवगुनानश** ॥ उंऊं स १ नमानानायनायकीवलिगृह २ स्वाहा ॥ उं
 उंऊं टं वेषूवी, मूखमारुक्कथावलिगृह २ स्वाहा ॥ **ब्रह्मव्या** ॥ उंऊं नूनक
 धनायवलिगृह २ स्वाहा ॥ **हानावा** ॥ उंऊं दूं रुट् मलाकानमहादेववायनाकिम
 दिनायवलिगृह २ स्वाहा ॥ **मगुयामेश** ॥ उंऊं मेशपीवलिगृह २ स्वाहा ॥ **स्य**
गु ॥ उंऊं सूर्यं गु वीणायवलिगृह २ स्वाहा ॥ **यद्रमाश** ॥ उंऊं नानिमहायकीणीपी

स्वाहा॥ **कृतिजलमन** ॥ उं ऊं मूनन न ना गाय वलि गृद्र २ स्वाहा॥ उं ऊं म ४ जल ५
यिन मूनन न मू यवलि गृद्र २ स्वाहा॥ **थमथाठ वलिक** ॥ उं वां वां मू की वलि गृद्र
२ स्वाहा॥ **जा मावा** ॥ उं ऊं म हा वू द्वा यवलि गृद्र २ स्वाहा॥ उं ऊं दू २ म हा हू गू हू
नि न्ये वलि गृद्र २ स्वाहा॥ **ना ग शन** ॥ उं ऊं म हा वू द्वा यवलि गृद्र २ स्वाहा॥ उं ऊं
वा मू की ना गाय वलि गृद्र २ स्वाहा॥ **सिखायाल** ॥ उं ऊं ला क ना थ यवलि गृद्र
२ स्वाहा॥ **पन ला क दि ति** ॥ उं वू वा मू कि न म ४ वलि गृद्र २ स्वाहा॥ **ना ग ना जा द**

ल ॥ उं वू व वू य न म ४ वलि गृद्र २ स्वाहा॥ ॥ **या सन** ॥ उं ऊं स दा नि वा य
स्व यं तु लिं गाय वलि गृद्र २ स्वाहा॥ **मा हा का न व** ॥ उं ऊं दू २ म हा का ना य म
हा री न व नि वा नि न द व द वी था वलि गृद्र २ स्वाहा॥ **म म य** ॥ उं ऊं मू द्वा मा ह का ग
हा था वलि गृद्र २ स्वाहा॥ **म म न** ॥ उं ऊं दू रु ट म म न म हा री व वा य दू २ रु
ट स्वाहा॥ ॥ **ध म ध लि** ॥ **दू ना या** ॥ उं ऊं मू द्वा मो ह का द वी वलि गृद्र २ स्वाहा॥
दू सिं श्व ल ॥ उं ऊं नृ थ य ना य वलि गृद्र २ स्वाहा॥ **ग हा या नू द्वा य दि** ॥ उं ऊं यू

चन्द्राय दीदधौ वलिगृह २ स्वाहा ॥ नवलस ॥ जेंड नृस्यधनाय वलिगृह २ स्वा
हा ॥ सन ॥ जेंड मूरु मा रुकथा वलिगृह २ स्वाहा ॥ जेंड वांवी वूं वूं वालकी मावी
दधौ वलिगृह २ स्वाहा ॥ गोखाया च (छु) धन ॥ डेंडों च (छु) धन ॥ वूं य वलिगृह २
स्वाहा ॥ जेंड यं वा मू (छु) विच वलिगृह २ स्वाहा ॥ व न क ॥ डेंडों सैर्य गु लिंगाय
वलिगृह २ स्वाहा ॥ क न या ॥ डेंडों गी गू गू ४ गू (छु) धनाय वलिगृह २ स्वाहा ॥ जेंड
घाट वें वूं विधौ वलिगृह २ स्वाहा ॥ जेंड कू ३ मदा मम नाय कू ३ रुट वलिगृ
ह २

कू २ स्वाहा ॥ मम न गोखाया ॥ ॥ विधनाय ॥ डेंडों विधु नीर्थय वलिगृह २ स्वा
हा ॥ निवि काथ ॥ जेंडों डेंडों कू स क न मदा रें व वाय वलिगृह २ स्वाहा ॥ श ० ० ०
न स न ॥ डेंडों स ४ क ल म यिन वलिगृह २ स्वाहा ॥ वा म गो या म ॥ डेंडों वा म गी मी
थाय वलिगृह २ स्वाहा ॥ निव यू लियो ॥ डेंडों सैर्य गु लिंगाय वलिगृह २ स्वाहा ॥
न व लि म ॥ डेंडों नि व लिं (ग) धनाय वलिगृह २ स्वाहा ॥ डेंडों म नि य म मी थ य व
लिगृह २ स्वाहा ॥ न व लि न च मू (छु) ॥ जेंडों वि क गि द व क ग या लाय व

लिगुद्र २ स्वाहा ॥ धनवानाहा ॥ उंकां कौंकी स ४ वलिगुद्र २ स्वाहा ॥ **सखुनाय** ॥
उंकां कौंकी स ४ वलिगुद्र २ स्वाहा ॥ **उंकां स ४ वलिगुद्र २ स्वाहा** ॥ मान
व **नाय** ॥ उंकां दवेदवी वलिगुद्र २ स्वाहा ॥ **वदकमान** ॥ उंकां कौंकी स ४ मान
दवेदवी वलिगुद्र स्वाहा ॥ **नाजदगुलि** ॥ उंकां कौंकी स ४ नमः सिद्धिल
क्रीदवी वलिगुद्र २ स्वाहा ॥ **कामदव** ॥ उंकां नमः कामदवाय वलिगुद्र २ स्वा
हा ॥ चवान ॥ उंकां च ६ धनवाय वलिगुद्र २ स्वाहा ॥ **मयुनाय** ॥ उंकां मयुनाय

कथा वलिगुद्र २ स्वाहा ॥ **नन्दिमान** ॥ गवति ॥ उंकां नाजयद ६ उंकां गवति
लियुमदनी कौंकी सदा नमः २ लीमी ४ स ४ मयुदव वलिगुद्र २ स्वाहा ॥ **वका**
न्यादिन नमः ॥ **मिनाय** ॥ उंकां स ४ मयुदव वलिगुद्र २ स्वाहा ॥
॥ **नन्दिमान** ॥ उंकां मयुदव वलिगुद्र २ स्वाहा ॥ उंकां स ४ नमानवाय नाय
विष्णु मयुदव वलिगुद्र २ स्वाहा ॥ उंकां मिवाय वलिगुद्र २ स्वाहा ॥ उंकां स ४
नमः गयो लाय वलिगुद्र २ स्वाहा ॥ उंकां सिनावा माय वलिगुद्र २ स्वाहा ॥ **धन**

दिमान ॥ ॥ यत्र **मय नदि ति** ॥ उंकां स ४ चरु नावाय नायकां स्वाहा ॥ **पुनर्वसु**
॥ उंकां सर्वथा रुतथायि सा चरु सर्वविघ्नीकुं मथा रामावावनकि नैव नमहा रे
न वायवलिगृह २ स्वाहा ॥ **धूम्रगन्धर्व** ॥ उंकां कून स्वस्वानक्षत्रया लायवलिगृ
ह २ स्वाहा ॥ **गन्धर्व** ॥ उंकां महा रे न वायवलिगृह २ स्वाहा ॥ **गन्धर्माकाकाल**
॥ उंकां रुद्र महाका वायवलिगृह २ स्वाहा ॥ **सनसुमि** ॥ उंकां सनसुमि व
लिगृह २ स्वाहा ॥ **गन्धर्वा** ॥ उंकां सनसुमि वलिगृह २ स्वाहा ॥

गन्धर्व मया ॥ उंकां स्वस्वानक्षत्रया लायवलिगृह २ स्वाहा ॥ **मूलधाम** ॥ वृग
उंकां विमिचि न नावायकां स्वाहा ॥ **जल** ॥ उंकां मी गिन कि देय वलिगृह २ स्वा
हा ॥ **सकामदा** मदादव ॥ उंकां सदा निवायवलिगृह २ स्वाहा ॥ **विश्वेन**
यामया ॥ उंकां मी गी ४ कुलग ॥ **सुव** वायवलिगृह २ स्वाहा ॥ **गन्धर्व**
स्व ॥ उंकां स्वस्वानक्षत्रया लायवलिगृह २ स्वाहा ॥ **जामिगन्धर्व** ॥ उंकां हानी
मिग ४ रुद्र वलिगृह २ स्वाहा ॥ **गन्धर्व** ॥ उंकां लाक स्ववायवलिगृह २

स्वाहा ॥ **सूगम** ॥ उं नूं कूं वज्र वेना च नियम ग दय विवाध स्था कूं रुट वलि गृह २ स्वा
 हा ॥ थ वदि न्या **रुगवनि** ॥ उं जं कूं ड ग च धु य वलि गृह २ स्वाहा ॥ म धूं चा या ना ध
 न ॥ उं जं उं कूं हं नृ य ध व म हा रं न वा य वलि गृह २ स्वाहा ॥ या कूं नृ ना य ॥ उं जं
 मूं गूं ग ४ ग दय गे य वलि गृह २ स्वाहा ॥ ॥ **कमला तीर्थ** ॥ उं जं मूं गूं ग ४ ग दय गे य
 वलि गृह २ स्वाहा ॥ **यानिका** ॥ उं जं मूं गूं व द्वा य धे वलि गृह २ स्वाहा ॥ लू म
 धे ॥ उं जं कूं कं मा हं ध नी द धे वलि गृह २ स्वाहा ॥ **रिव** ॥ उं जं कूं चं को मा नी द धे

वलि गृह २ स्वाहा ॥ **यं वलि** ॥ उं जं कूं कूं कूं हं द द्धि ह रं न वा य वलि गृह २ स्वाहा ॥
 कथू यी ० ॥ उं जं कूं यं चामू धे य वलि गृह २ स्वाहा ॥ **मखू तीर्थ** ॥ उं जं कूं ट वं वू वं वलि
 गृह २ स्वाहा ॥ कूं हं ग ॥ उं जं मूं गं वा ना ही व सि गृह २ स्वाहा ॥ लू **नि** ॥ उं जं कूं
 यं नृ ना य धी वलि गृह २ स्वाहा ॥ **दवनि वखू** ॥ उं जं कूं यं चामू धे य वलि
 गृह २ स्वाहा ॥ **चद वखू** ॥ उं जं मूं गं म हा ल श्री वलि गृह २ स्वाहा ॥ **ठग** ॥ उं जं
 वां ची चूं कूं चामू धे य वलि गृह २ स्वाहा ॥ उं जं मूं हं हं हं कूं न च कूं ध नी द
 नि व ॥ ग ॥ ४ x

लिगृद्र २ स्वाहा ॥ **नाथन** ॥ उँ उँ उँ नृथ्यनायवलिगृद्र २ स्वाहा ॥ **दयाया**
दव ॥ उँ उँ धीधर्ममर्गयवलिगृद्र २ स्वाहा ॥ उँ उँ (मौं गं हाय नयवलिगृद्र २
 स्वाहा ॥ उँ उँ स्वस्मानक्षयानायवलिगृद्र स्वाहा ॥ ॥ **थथुनाडनया** ॥ वलिनी
 हो ॥ काक्षयालायवलिगृद्र २ स्वाहा ॥ **दमाश** ॥ उँ उँ कुं कृदिकायेवलिगृद्र २
 स्वाहा ॥ **नगनाय** ॥ **यूनक** ॥ **नय** ॥ उँ उँ (मौं गं हाथ) नायवलिगृद्र २ स्वाहा ॥
मजासन ॥ उँ उँ हँ हँ डाँ डीं डूँ गिस्वाम्बकन्द रं नवायवलिगृद्र २ स्वाहा ॥

वक्रयुलियागुगम॥ नं० ३०॥ मूं॥ कृत्रिकादधो लिगृद्र २ स्वाहा॥ च स्वाच्छ
 या० नाय॥ उं० (गं०) गद्ययगय मूं॥ वलिगृद्र २ स्वाहा॥ ना० ध० व॥ नं० ३१॥ नं० ३२॥ ना०
 ध० नायवलिगृद्र २ स्वाहा॥ नं० ३३॥ नं० ३४॥ नं० ३५॥ नं० ३६॥ नं० ३७॥ नं० ३८॥ नं० ३९॥ नं० ४०॥
 दवदवीनिवासिगदवायवलिगृद्र २ स्वाहा॥ वं० क० वा० नी० श॥ उं० ३०॥ म० ४०॥ ना० नाय
 नायविस्वात्मनं० ३१॥ स्वाहा॥ मि० ध० य० वि॥ उं० ३०॥ ल० ग्नी० ना० नायनायवलिगृद्र २ स्वाहा
 ॥ वं० क० व० द० थू० य० म० हा० द० व॥ उं० ३०॥ स० दा० मि० वा० य० वलिगृद्र २ स्वाहा॥ वं० क० वा० र० व० लि॥

नं० ४१॥ वा० ची० चूं० मूं॥ यं० वा० मू० ध० ये० वलिगृद्र २ स्वाहा॥ नं० ४२॥ नं० ४३॥ नं० ४४॥ नं० ४५॥ नं० ४६॥ नं० ४७॥ नं० ४८॥ नं० ४९॥ नं० ५०॥
 म० र० क० र्था॥ वलिगृद्र २ स्वाहा॥ उं० ३०॥ क० व० क० म० हा॥ नं० ५१॥ नं० ५२॥ नं० ५३॥ नं० ५४॥ नं० ५५॥ नं० ५६॥ नं० ५७॥ नं० ५८॥ नं० ५९॥ नं० ६०॥
 २ स्वाहा॥ नं० ६१॥ वा० क० य० ना० ग० म॥ उं० ३०॥ नं० ६२॥ नं० ६३॥ नं० ६४॥ नं० ६५॥ नं० ६६॥ नं० ६७॥ नं० ६८॥ नं० ६९॥ नं० ७०॥
 ॥ उं० ३०॥ वा० क० ध० वा० य० वलिगृद्र २ स्वाहा॥ उं० ३०॥ मि० वा० य० वलिगृद्र २ स्वाहा॥ नं० ७१॥ नं० ७२॥ नं० ७३॥ नं० ७४॥ नं० ७५॥ नं० ७६॥ नं० ७७॥ नं० ७८॥ नं० ७९॥ नं० ८०॥
 नी० वा० हा० न॥ नं० ८१॥ नं० ८२॥ नं० ८३॥ नं० ८४॥ नं० ८५॥ नं० ८६॥ नं० ८७॥ नं० ८८॥ नं० ८९॥ नं० ९०॥
 गृ० द्र० २ स्वाहा॥ उं० ३०॥ स० स० न० द० ग० य० ला० य० वलिगृद्र २ स्वाहा॥ नं० ९१॥ नं० ९२॥ नं० ९३॥ नं० ९४॥ नं० ९५॥ नं० ९६॥ नं० ९७॥ नं० ९८॥ नं० ९९॥ नं० १००॥

नृस्यथनथयवलिगृह २ स्वाहा ॥ डंडां लाकथनयवलिगृह २ स्वाहा ॥ वरुगु
लि ॥ वक्रा न्यादिनगान ॥ नुंउ वक्रा न्यादिमूखमारु कथावलिगृह २ स्वाहा ॥ नुंउ
यांयायूंयं चामू भुदचवलिगृह २ स्वाहा ॥ डंडां स्वस्तनक्षयोलायवलिगृह २
स्वाहा ॥ डंडां कनकनाथयवलिगृह २ स्वाहा ॥ वरुवाकानया मगम ॥ डंडां
वज्रवैवाचनीकं रुट स्वाहा ॥ डंडां लाकथनयवलिगृह २ स्वाहा ॥ महासुगाव
॥ नुंउ रौनवायवलिगृह २ स्वाहा ॥ नुंउ (मौ) गधयगयवलिगृह २ स्वाहा ॥ डंडां क

नकरोनवायवलिगृह २ स्वाहा ॥ महावृद्ध ॥ डंडां महावृद्धयवलिगृह स्वाहा ॥
डंडां वेगविम्वायवलिगृह २ स्वाहा ॥ वरुवाकानया ॥ नुंउ रुं सरे कृषिक
थनीवलिगृह २ स्वाहा ॥ निधाय ॥ नुंउ (मौ) गधयगयवलिगृह २ स्वाहा ॥ नुंउ
मूँ डगचछायवलिगृह २ स्वाहा ॥ नुंउ जयादिमूखदुग्धयवदवीथावलिगृह
२ स्वाहा ॥ नुंउ डकिष्ठमार्गान्यवलिगृह २ स्वाहा ॥ वरुवाकानया ॥ नुंउ
रुट माकाकावायवलिगृह २ स्वाहा ॥ डंडां वेगविम्वायवलिगृह २ स्वाहा ॥ पिन्वा ॥

॥ उँकाँ ॐ गद्यनयवलिगृह २ स्वाहा ॥ उँकाँ चैव विम्वायवलिगृह २ स्वाहा ॥
उँकाँ रुद्रमहाकालायवलिगृह २ स्वाहा ॥ उँकाँ रुद्रवज्रयोगीश्वरवलिगृ
ह २ स्वाहा ॥ उँकाँ स्वस्त्यनयवलिगृह २ स्वाहा ॥ **वैथवदान ॥ ३**
साङ्ग्यामृक ॥ उँकाँ रुद्रमहाकालायवलिगृह २ स्वाहा ॥ **जवस ॥** उँकाँ
उँकाँ ॐ ४ क्रीं क्रीं सुं गियूनमन्दनीदयवलिगृह २ स्वाहा ॥ **खवस ॥** उँकाँ
रुद्रमहाकालायवलिगृह २ स्वाहा ॥ **दधुस ॥**

॥ **गुगुम ॥** उँकाँ रुद्रमहाकालायवलिगृह २ स्वाहा ॥
॥ उँकाँ लार्कवनायवलिगृह २ स्वाहा ॥ उँकाँ कवकरीवनायवलिगृह
२ स्वाहा ॥ **मखन ॥** उँकाँ ॐ गद्यनयवलिगृह २ स्वाहा ॥ उँकाँ स्वस्त्यनय
वालायवलिगृह २ स्वाहा ॥ **गनद ॥** उँकाँ वाचीचूयचामूछायवलिगृह २
स्वाहा ॥ **क ॥** उँकाँ चैव विम्वायवलिगृह २ स्वाहा ॥ उँकाँ जवसायवलिगृ
ह २ स्वाहा ॥ **ॐ लेनाय ॥** उँकाँ गङ्गागङ्गा ४ गङ्गाकूलगङ्गावनायवलिगृह २

वगलानमाना नुं अ (सौं गद्य गय वलि गृह २ स्वादा ॥ गद्य सवक्का ६५ दिन ना
न ॥ **नग** ॥ नुं अ (सौं गद्य गय वलि गृह २ स्वादा ॥ डं कां सदा गि वा य वलि गृह २
स्वादा ॥ नुं अ ला कं थ ना य वलि गृह २ स्वादा ॥ नुं अ मू र्मा गृ का सहि ग य्मा वा
मू र्मा ये वलि गृह २ स्वादा ॥ नि स्य थ वी म रु नं ना न ॥ **क स ना य** ॥ नुं अ (सौं थुं ग
द्य ना थ य वलि गृह २ स्वादा ॥ उं अ क व के ना थ य वलि गृह २ स्वादा ॥ नुं अ रुं
रु ट् म हा का वा य वलि गृह २ स्वादा ॥ नुं अ ~~रुं रुं~~ रुं नू रं व वा य वलि २ गृ

ह २ स्वादा ॥ डं कां ज द य द्वि धी र्थी वलि गृह २ स्वादा ॥ **वा ज नि क मू ग म** ॥ नुं
अ रुं रुं मू रं कू डि का द थो स ग द य नि वा न थ वा वलि गृह २ स्वादा ॥ य नि क मू
ग म ॥ नुं अ मू र्मा मू र्मा कू डि का वू नि क व द व द थो वलि गृह २ स्वादा ॥ डं कां
स द गि वा **मू र्मा** य वलि गृह २ स्वादा ॥ ग क व म हा का ल ॥ डं रुं रुं
म हा का ल ॥ य वलि गृह २ स्वादा ॥ डं कां स क न क ग या ला य
वलि गृह २ स्वादा ॥ **ध स म दू** ॥ डं गू ग द य ग य वलि गृह २ स्वादा

॥ डंकां स्वस्मानक्षयया लायवलिगृह २ स्वाहा ॥ वनयूनया म्ना गम ॥
 उंकां भो ४ गियून मू न्दनी दद्ये वलिगृह २ स्वाहा ॥ स्विनि ॥ उं डक वरु कं ना
 थाय वलिगृह २ स्वाहा ॥ उं ड ग धय गय वलि गृह २ स्वाहा ॥ डंकां ल
 क्की रु ध स्थ नाय वलिगृह २ स्वाहा ॥ गिव गी ॥ उं ड कां नि धा स्थ नी वलिगृ
 ह २ स्वाहा ॥ डंकां रु नू म नू म ला वी न स्थ न र्ने न वाय वलिगृह २ स्वाहा ॥
 च मान ॥ डंकां उं ड च छु स्थ न च छु स्थ नी द व द वी था वलि गृह २ स्वाहा ॥

नीला ॥ डंकी स १ नमो नाराय विष्णु तनकी वलि गृह २ स्वाहा ॥ नारायण
की २ ॥ डंकी स नमो नाराय वलि गृह २ स्वाहा ॥ नमो नाराय नाथ यथो
म सवर्णिगुं कं नाराय वलि गृह २ स्वाहा ॥ धाम नमो नाराय वलि गृह २ स्वाहा ॥
॥ डंकी लाय नाराय वलि गृह २ स्वाहा ॥ वनक ॥ नमो नाराय वलि गृह २ स्वाहा ॥
॥ डंकी लाय नाराय वलि गृह २ स्वाहा ॥ नमो नाराय वलि गृह २ स्वाहा ॥ डंकी
कनकी नाथ यथो वलि गृह २ स्वाहा ॥ डंकी लाय नाराय वलि गृह २ स्वाहा ॥

नवयन ॥ उंजं गंगाय गयवलि गृह २ स्वाहा ॥ उंजं नृस्य स्व वायवलि गृह
२ स्वाहा ॥ चवलि कृष्ण गम ॥ उंजं कृष्ण ॥ कृष्णिका दयवलि गृह २ स्वाहा
॥ उंजं स्वस्त्य नृस्य गयवलि गृह २ स्वाहा ॥ उंजं कनक ना
थयवलि गृह २ स्वाहा ॥ उंजं कृष्ण ॥ महाकालायवलि गृह २ स्वाहा
॥ उंजं श्रीकृष्ण वायवलि गृह २ स्वाहा ॥ नृगम ॥ उंजं कृष्ण वेनाचनी
यवलि गृह २ स्वाहा ॥ उंजं श्रीगणेशाय विष्णायवलि गृह २ स्वाहा ॥

उंजं वंवासुकि नाथयवलि गृह २ स्वाहा ॥ उंजं लोकनाथयवलि गृह
२ स्वाहा ॥ उंजं श्रीगणेशाय विष्णायवलि गृह २ स्वाहा ॥ वंथावा नमः ॥ ॥ नृस्य
॥ उंजं गंगाय गयवलि गृह २ स्वाहा ॥ थदिगि ॥ उंजं गंगाय
यवलि गृह २ स्वाहा ॥ उंजं नृस्य स्व वायवलि गृह २ स्वाहा ॥ उंजं श्रीगणेश
विष्णायवलि गृह २ स्वाहा ॥ उंजं लोकनाथयवलि गृह २ स्वाहा ॥ काथवा
दानया लोकेश्वर ॥ नमो कृष्णाय ॥

ॐ (सौं ग) (ह) स्व नायवलि गृह २ स्वाहा ॥ ॐ (उं) स्व नायवलि गृह २
ॐ (कौं) ला (क) स्व नायवलि गृह २ स्वाहा ॥ ॐ (उं) नृ स्व नायवलि गृह २ स्वा
हा ॥ ॐ (कौं) स्व स्कान नक्षत्र ग्या लायवलि गृह २ स्वाहा ॥ ~~ध~~ का वा का न ॥ ॐ
(सौं ग) (ह) स्व नायवलि गृह २ स्वाहा ॥ ॐ (कौं) महा का लायवलि गृह २ स्वा
हा ॥ ॐ (कौं) कर्ब कायवलि गृह २ स्वाहा ॥ ॐ (कौं) रु नृ गे न वायवलि गृह २
स्वाहा ॥ ॐ (कौं) स्व स्कान नक्षत्र ग्या लायवलि गृह २ स्वाहा ॥ ~~क~~ नि न च ॥ ॐ (कौं)

स्व स्कान नक्षत्र ग्या लायवलि गृह २ स्वाहा ॥ ॐ (उं) रु नृ नृ स्व नायवलि गृ
ह २ स्वाहा ॥ ॐ (सौं ग) (ह) य गे यवलि गृह २ स्वाहा ॥ माता हि नि ॥ ॐ (कौं) वृं वी द्या य
वलि गृह २ स्वाहा ॥ ~~नृ~~ न ॥ ॐ (सौं ग) (ह) स्व नायवलि गृह २ स्वाहा ॥ ~~मृ~~ मन
~~ग~~ ल लि ॥ ॐ (उं) वां वी चूं चूं वा मृ स्व स्व वी वलि गृह २ स्वाहा ॥ मृ स्व मा गृ का
न ग न ॥ ॐ (उं) रु नृ नृ स्व नायवलि गृह २ स्वाहा ॥ ॐ (कौं) स्व स्कान नक्षत्र ग्या
लायवलि गृह २ स्वाहा ॥ ॐ (उं) कर्ब क नाथायवलि गृह २ स्वाहा ॥ ~~क~~ र्क ग

कां कुं कुं ॥ कुं कुं कुं वालको मानी महायागिनी थी पाइ की ॥ वलि गृह
२ म व ॥ ॥ नंदां धी कुं कुं ॥ नृ २ म म सिद्धि कुं नृ २ दं रुट वलि गृह २ स्वाहा ॥ की
मानी ॥ ॥ नंदां धी कुं कुं ॥ नृ २ म म सिद्धि कुं नृ २ दं रुट वलि गृह २ स्वाहा ॥ की
न कि सदि नाय नम ॥ ॥ नंदां धी कुं कुं ॥ नृ २ म म सिद्धि कुं नृ २ दं रुट वलि गृह २ स्वाहा ॥ की
न वी स्व म कि स्वय निवा नाय स ॥ दि नाय या ॥ दू की ॥ वलि ॥ ॥ प्रव म
नि कुं नृ २ दं २ रुट वलि गृह २ स्वाहा ॥ ॥ नंदां धी कुं

कां कुं कुं ॥ कुं कुं कुं वालको मानी दवान म ॥ धी पाइ की ॥ वलि गृह २
स्वाहा ॥ ॥ नंदां धी कुं कुं ॥ नृ २ म म सिद्धि कुं नृ २ दं रुट वलि गृह २ स्वाहा ॥ की
जाना द द ग ॥ ॥ नंदां धी कुं कुं ॥ नृ २ म म सिद्धि कुं नृ २ दं रुट वलि गृह २ स्वाहा ॥ की
हायु जा वलि गृह २ ॥ नृ २ म म सिद्धि कुं नृ २ दं रुट वलि गृह २ स्वाहा ॥ की
व ग ली महाना धिय मय वलि गृह २ स्वाहा ॥ ॥ नृ २ म म सिद्धि कुं नृ २ दं रुट वलि गृह २ स्वाहा ॥ की

१ॐ ह्रीं वां वदू काय ज्ञायदू द्वात्रिंशत् यकू नू वदू काय ह्रीं ००॥१०००००॥ शुद्ध
मृटिक संका र्गं सहसा दिल्य वच्चर्य। नीलजीमूत संका र्गं नीलीनवयाचमं।
अथ वा दू र्जित येन च शुक्लद्विवाकू कं॥ दंष्ट्रा कलाल वेदनं नृयुवाना व
संकूलं। रुजंगम खलं दव अग्निवर्णु निवावुर्दं। दिगम्बरं कू मारं च वदूः
कार्दमहावर्लं। खट्वांगमसिपा र्गं च गूल (अथैव तथायुनः)। उमनू च कया
लं च वदनू गतं तथा। आत्मवर्णु समायते। सावमय समन्वितं। आत्मा जय

सूतनुष्टुभः सर्वान् कामान् मवायुया ७॥ ध्यान॥ ॥
१ॐ शंभो ह्रीं ह्रीं दयाय नमः॥ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ॥ हृदयादि॥ (धनू मूडा ॥ ॐ
ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं महां मृत्युं उभय महां कययु भीत्य र्थं दंष्ट्रा त्यागनं महां मा
नीडय गम्य र्थं वलिं गृह्ण २ स्वाहा॥ ॐ ह्रीं वां मवापि वां मवूयाय सर्व व्यापिन
निवाय अूनक अूनार्थाय अूनोष्ट नाधुवा निवत ताधिय तय वषट् द्वि य
दज नमा नीनाद गम त्यागनं य गम्य र्थं ॐ ह्रीं महां यूय धूप दीप पूजा मम

यथायनीगवलिं गृह्ण २ दुनू २ मूने २ स्व २ स्वादि २ दू दू दू दू दू दू दू ॥ १०८
॥ ॥ यथा न जययादावकृय ॥ अस्मन्काकवर्च ॥ नृदधेकासमूहता
महाभार्यतिरावधामसमायातिनीवलाक कृगवित्कालययया ॥
१ उक्तिष्ठवाधुलितिसूमुखिदवीमहायिभविनीजो ००४०४ ॥ ॥ १ अस्म
नृस्यतेनवसविभसानकालिदवतासर्वसिद्धिसिद्धिथजयविनिधायन ॥ न
कीवनसूसूक गुडशालविनाजिनी। घातभद्वियूवगीवानान्नयथा

धनी। कयालकलिकमाला यत्रमशानि नृपिणी। उर्वसंचित्तकालिभ
सान्नयवासिनी ॥ ॥
१ मूखाध्वनी ॥ नकामन्नयसूका गुडाहानविनाविनाजिनी। घातभ
द्वययूवगा यानान्नययाधनी। कयालकर्ककामाला यत्रमशानि नृपि
णी। उर्वसंचित्तकालिभभानलयवासिनी ॥ ॥ ॥ ॥ नीलीमुकाव
द्वनिगमविन्ना नालीदलनार्थिगकर्णरुमी। माध्यापदाधुलिगनययदी

घनरुनीर्गुयद्वनमामि॥ ॥

लवठवाच॥ ॥ कनायदा॥ कनहा॥ ककम कथून॥ ॥ श्री

येके वक्रा दलकुजा वीनानतयया धना ॥ गतिनकाटि समाख्याता सिन्दुवा
बुलविणदा अकमालाकपाली च ललवले विखेटके लुबलु घल्लसिद्धी
वनदा लयदकि ॥ ॥ नीलगा वायदुमालि विनया सर्वमंगला सर्वसिद्धि क

नीदवी सिद्धि लक्ष्मी नमामुते॥ ॥

